29.8.24

पत्रावली पेश हुई वकील वादी उपस्थित प्रकरण मे वकील वादी द्वारा प्रा.पत्र आदेश.23 नि.01 जा.दी का पेश कर बहस कि गई। वकील वादी ने अपनी बहस मे इस प्रकार से निवेदन किया है कि विवादित आराजियात मे वर्तमान मे कई सहखाते दारान मे परिवर्तन हो चुका है। व कई का स्वर्गवास भी हो चुका है। एवं प्रारूपिक व तकनिकित त्रुटि के कारण वादी अपने इस वाद को नही चलाना चाहते है। एवं नया वाद प्रस्तुत करने की अनुमति के साथ इस वाद को विड्रा किया जावे। पत्रावली मे एक तरफा बहस सुनी गई एवं प्रकरण का अवलोकन करने पर वकील वादी की बहस से हम सहमत है। प्रकरण मे वादी द्वारा प्रस्तुत प्रा.पत्र आदेश.23 नि.01 जा.दी का स्वीकार किया जाता है। वादी को नया वाद प्रस्तुत करने की अनुमति दि जाती है। तथा दस्तावेज लोटाये जाकर प्रति पत्रावली मे रखी जावे। दावा विड्रॉ किया जाता है पत्रावली मेसल शुमार हो कर नम्बर से कम हो।